9 मारवाड़ का राठौड़ राजवंश

1. मेवाड़ के विरुद्ध लड़ा गया युद्ध 'हरमाड़ा का युद्ध' जिसमें मालदेव ने हाजी खां की सहायता की थी। हरमाड़ा वर्तमान में किस जिले में स्थित है?
(1) जोधपुर ग्रामीण (2) जयपुर
(3) ब्यावर (4) सलूम्बर (2)

2. औरंगजेब ने जब शहजादा अकबर को मेवाड़ व मारवाड़ का दमन करने भेजा तब मुगल गद्दी पाने के लालच में आकर शत्रु सेना से मिल गया तथा 1 जनवरी, 1681 में उसने किस स्थान से स्वयं को भारत का सम्राट घोषित किया?
(1) नाडोल– पाली (2) मेड़ता– नागौर
(3) बनेड़ा– शाहपुरा (4) सराड़ा– सलूम्बर (1)

3. राव जोधा ने जोधपुर की स्थापना कब की?
(1) 1459 ई. (2) 1488 ई.
(3) 1156 ई. (4) 1559 ई. (1)

व्याख्या– 1459 ई. में जोधा द्वारा जोधपुर की स्थापना की गई व इसे नई राजधानी बनाया तथा 13 मई, 1459 ई. को करणी माता द्वारा मेहरानगढ़ दुर्ग की नींव रखी गई।

4. "मैं मुट्ठी भर बाजरे के लिए हिन्दुस्तान की बादशाह खो देता।"– यह कथन किसका है?
(1) हुमायुं (2) शेरशाह सुरी
(3) अकबर (4) जहाँगीर (2)

5. मारवाड़ का प्रथम राठौड़ शासक, जिसे अकबर की अधीनता स्वीकार करने के बाद जोधपुर की राजगद्दी दी गई?
(1) रावचन्द्र सेन (2) राव गंगा
(3) राव मालदेव (4) मोटा राजा उदयसिंह (4)

व्याख्या– 1583 ई. में अकबर ने उदयसिंह (मोटा राजा उदयसिंह) को मुगल अधीनता में मारवाड़ का शासक बना दिया। उदयसिंह मुगल अधीनता स्वीकार करने वाला मारवाड़ का प्रथम शासक था।

6. अकबर ने अपनी 1570 की नागौर यात्रा के समय जोधपुर दुर्ग किसको सुपुर्द किया था?
(1) सुरजन हाड़ा (रणथम्भौर) (2) रायसिंह (बीकानेर)
(3) मानसिंह (आमेर) (4) अमरसिंह (नागौर) (2)

7. कौनसा शासक 'मारवाड़ का दूसरा पितृहंता' कहलाता है?
(1) राव मालदेव (2) अजीत सिंह
(3) बख्त सिंह (4) राज सूजा (3)

8. 1883 ई. में स्वामी दयानन्द सरस्वती को दूध में शीशा घोलकर पिलाने वाली नन्हीं जान (वेश्या) किस शासक की प्रेमिका थी?
(1) जसवंत सिंह प्रथम (2) जसवंत सिंह द्वितीय
(3) बख्त सिंह (4) अभयसिंह (2)

व्याख्या– जोधपुर में भरी सभा में स्वामी जी ने वेश्य गमन के दोष बतलाए और महाराज जसवंत द्वितीय को वेश्या 'नन्हीं जान' के प्रति आसक्ति के लिए उन्हें फटकार लगाई। जिसके कारण नन्हीं जान ने रसाईयों गौड़ मिश्र के साथ मिलकर स्वामी दयानंद सरस्वती को दूध में शिशा घोलकर पिला दिया, जिससे 30 सितम्बर, 1883 (दीपावली) को अजमेर में स्वामी जी की मृत्यु हो गई।

9. मारवाड़ की ख्यात में किस शासक को '52 युद्धों का विजेता' कहा गया है?
(1) रावचन्द्र सेन (2) अजीत सिंह
(3) राव मालदेव (4) मोटा राजा उदयसिंह (3)

10. पाहेबा के युद्ध में बीकानेर के राव जैतसी को हराने वाला मारवाड़ का शासक था?
(1) राव सूजा (2) राव जोधा
(3) राव मालदेव (4) मोटा राजा उदयसिंह (3)

11. मारवाड़ के राठौड़ वंश का संस्थापक हैं?
(1) राव मालदेव (2) राव जोधा
(3) राव सीहा (4) राव धूहड़ (3)

12. 1564 ई. में अकबर की सेना द्वारा जोधपुर पर आक्रमण के समय राव चन्द्रसेन ने जोधपुर से भाग कर कहाँ शरण ली थी?
(1) सोजत (2) भाद्राजूण
(3) फलौदी (4) पोकरण (2)

व्याख्या– मालदेव की मृत्यु के बाद 31 दिसम्बर, 1562 ई. को चन्द्रसेन मारवाड़ का शासक बना, जिससे उसके दोनों भाई (राम व उदय सिंह) नाराज हो गए व राम अकबर की शरण में चला गया। अकबर ने राम की सहायता हेतु हुसैन कुली खाँ के नेतृत्त्व में अपनी सेना जोधपुर भेजी, जिससे बचने के लिए मई 1564 में चन्द्रसेन जोधपुर से भागकर भाद्राजुण (जालौर) में चला गया।

13. 'मारवाड़ का प्रताप' किसे कहा जाता है?
(1) राव मालदेव (2) राव चन्द्रसेन
(3) राव चूँडा (4) दुर्गादास राठौड़ (2)

14. अबुल फज़ल ने मारवाड़ के किस शासक को 'हशमत वाला शासक' कहा था?
(1) रावचन्द्र सेन (2) राव गंगा
(3) राव मालदेव (4) राव उदयसिंह (3)

व्याख्या– फारसी इतिहाकारों अबुल फजल, निजामुद्दीन और बदायूनी ने मालदेव को हिन्दुस्तान का 'हशमत वाला शासक' कहा है।

15. जोधपुर के मोटाराजा उदयसिंह ने अपनी पुत्री जगत गुंसाई (जोधाबाई) का विवाह किस मुगल के साथ किया?
(1) शाहजहाँ (2) जहाँगीर
(3) अकबर (4) औरंगजेब (2)

व्याख्या– मोटा राजा उदयसिंह मुगलों से वैवाहिक संबंध स्थापित करने वाला मारवाड़ का प्रथम शासक था। उनकी पुत्री जगत गुसाई/जोधा बाई का विवाह 1587 ई. में सलीम (जहाँगीर) से हुआ तथा इन्हीं से 1592 ई. में जहाँगीर का पुत्र खुर्रम पैदा हुआ।

16. इतिहास में वर्णित 'मतीरे की राड़' निम्न में से किन दो शासकों के मध्य संघर्ष हुआ?
(1) कल्याण व अमर सिंह राठौड़ (2) अमर सिंह राठौड़ व कर्ण सिंह
(3) कर्ण व सुरसिंह (4) अमर सिंह राठौड़ व जयसिंह
(2)

17. राजकुमारी कृष्णा कुमारी को लेकर किन रियासतों के मध्य विवाद हुआ था?
(1) उदयपुर– झालावाड़ (2) कोटा– जयपुर
(3) जोधपुर– जयपुर (4) जोधपुर– बीकानेर (3)

18. मारवाड़ का वह प्रथम शासक जिसने मुगलों के साथ वैवाहिक संबंध स्थापित किए?
(1) सुरसिंह (2) गजसिंह
(3) मोटा राजा उदयसिंह (4) अजीत सिंह (3)

19. जोधपुर में जसवंत थड़ा का निर्माण किस शासक द्वारा करवाया गया जिसे 'राजस्थान का ताजमहल' कहा जाता है?
(1) सरदार सिंह (2) सुमेर सिंह
(3) जसवंत सिंह द्वितीय (4) महाराज उम्मेद सिंह (1)
व्याख्या– जसवंत थड़ा का निर्माण सरदार सिंह द्वारा अपने पिता जसवंत द्वितीय की याद में मेहरानगढ़ किले के पास करवाया। जिसे 'राजस्थान का ताजमहल' भी कहा जाता है।

20. (i) तुंगा का युद्ध, (ii) सेवकी का युद्ध, (iii) गिरी सुमेल का युद्ध, (iv) हरमाड़ा का युद्ध।
इन युद्धों को सही तिथि क्रम में रखते हुए उत्तर का चयन कीजिए–
(1) ii, i, iii व iv (2) iii, ii, i व iv
(3) iv, ii, iii व i (4) ii, iii, iv व i (4)
व्याख्या– सेवकी का युद्ध (1529 ई.), गिरी सुमेल युद्ध (1544 ई.), हरमाड़ा का युद्ध (1557 ई.), तुंगा का युद्ध (1787 ई.)।

21. जोधपुर के शासक अजीत सिंह को 'राजराजेश्वर' की उपाधि निम्न में से किस मुगल बादशाह द्वारा दी गई थी?
(1) फर्रूखशियर (2) शाहजहां
(3) औरंगजेब (4) बहादुर शाह (1)

22. शेरशाह सूरी ने कहा कि ''काश जैता और कूंपा जैसे वीर मेरे पास होते तो मैं आज एकछत्र हिन्दुस्तान का शासक होता'' उक्त कथन किस शासक के महान सेनापतियों के बारे में कहा गया है?
(1) राव जोधा (2) महाराणा उदयसिंह
(3) महाराणा सांगा (4) मालदेव (4)
व्याख्या– शेरशाह द्वारा यह कथन मालदेव के सेनापति जैता व कूंपा के बारे में कहा गया था। जो गिरी–सुमेल के युद्ध में वीरगति को प्राप्त हुए।

23. जोधपुर के महाराजा उम्मेद सिंह ने मारवाड़ की ओर से संविधान सभा का प्रतिनिधि किसे नियुक्त किया था?
(1) मोहनलाल सुखाड़िया (2) जय नारायण व्यास
(3) सागरमल गोपा (4) सर प्रताप सिंह (2)

24. किस जोधपुर शासक ने अपने दरबारी कवि बाकींदास को देश निकाला दिया था?
(1) मानसिंह (2) जसवंत सिंह द्वितीय
(3) भीमसिंह (4) मालदेव (1)
व्याख्या– बांकीदास महाराजा मानसिंह का दरबारी कवि व काव्य गुरु था। इन्होंने एक पद में नाथों के लिए अपशब्द का प्रयोग किया था, जिसके कारण मानसिंह ने इन्हें देश निकाला दे दिया। इन्होंने 'बांकीदास री ख्यात' व 'मान जसो मण्डन' जैसी रचनाएँ की।

25. निम्न में से कौनसा साहित्यकार गिरि सुमेल के युद्ध में उपस्थित था, जिसने इस युद्ध का वर्णन अपनी पुस्तक में किया है?
(1) अबुल फजल (2) अब्बास खाँ सरवानी
(3) फरिश्ता (4) बदायुनीं (2)
व्याख्या– गिरि–सुमेल के युद्ध का वर्णन अब्बास खाँ सरवानी ने अपनी पुस्तक 'तारीख–ए–शेरशाही' में किया है।

26. खेजड़ली घटना (1730) की स्मृति में पहली बार खेजड़ी दिवस कब मनाया गया?
(1) 12 सितम्बर, 1978 (2) 12 सितम्बर, 1968
(3) 12 दिसम्बर, 1978 (4) 12 दिसम्बर, 1968 (1)
व्याख्या– 12 सितम्बर, 1978 को प्रथम बार खेजड़ली दिवस मनाया गया। तब से प्रतिवर्ष भाद्र पद शुक्ल दशमी को खेजड़ली दिवस मनाया जाता है। इस दिन खेजड़ली गाँव (जोधपुर ग्रामीण) में मेला (विश्व का एकमात्र वृक्ष मेला) भरता है। वर्ष 1994 से 'अमृता देवी बिश्नोई स्मृति वानिकी पुरस्कार' पर्यावरण संरक्षण हेतु दिया जाता है।

27. जोधपुर में स्थित नाथ संप्रदाय की प्रमुख पीठ महामन्दिर का निर्माण किस शासक द्वारा करवाया गया?
(1) मानसिंह (2) जगतसिंह (3) गजसिंह (4) रायसिंह (1)
व्याख्या– मानसिंह जब जालौर के किले में मारवाड़ की सेना से घिरे हुए थे, तब नाथ संप्रदाय के आयसनाथ ने मानसिंह के लिए जोधपुर का राजा बनने की भविष्यवाणी की थी। शासक बनने के बाद मानसिंह ने आयसनाथ को अपना राजगुरु बनाया तथा जोधपुर में महामन्दिर का निर्माण करवाया।

28. निम्न में से किस मारवाड़ शासक ने मुगलों की सेवा नहीं की?
(1) अजीत सिंह (2) जसवंत सिंह द्वितीय
(3) मालदेव (4) मोटा राजा उदयसिंह (3)

29. प्रथम विश्वयुद्ध में मारवाड़ के किस शासक की सेवा से प्रसन्न होकर अंग्रेजों ने उन्हें 'जी.सी.बी. और लेफ्टिनेट' उपाधियों से नवाजा था?
(1) महाराजा सुमेर सिंह (2) महाराजा उम्मेद सिंह
(3) महाराजा सरदार सिंह (4) महाराजा हनुवंत सिंह (1)
व्याख्या– प्रथम विश्व युद्ध में सहयोग देने पर सुमेर सिंह को विदेश सरकारों ने अलग–अलग अवॉर्ड दिए–
1. ब्रिटिश सरकार– जे.सी.बी. व लेफ्टिनेट
2. फ्रांस– लिजीयन दी एण्ड ऑन ग्रांड ऑफिसर
3. मिस्र– ग्रांड कॉर्डन ऑफ दी ऑर्डर ऑफ दी नाइल

30. जोधपुर के किस शासक को अकबर ने 'सवाई राजा' की उपाधि प्रदान की थी?
(1) राव सूरत सिंह (2) जसवंत सिंह
(3) राव सूरसिंह (4) अमर सिंह (3)

राजस्थान की सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए सर्वश्रेष्ठ पुस्तकें –

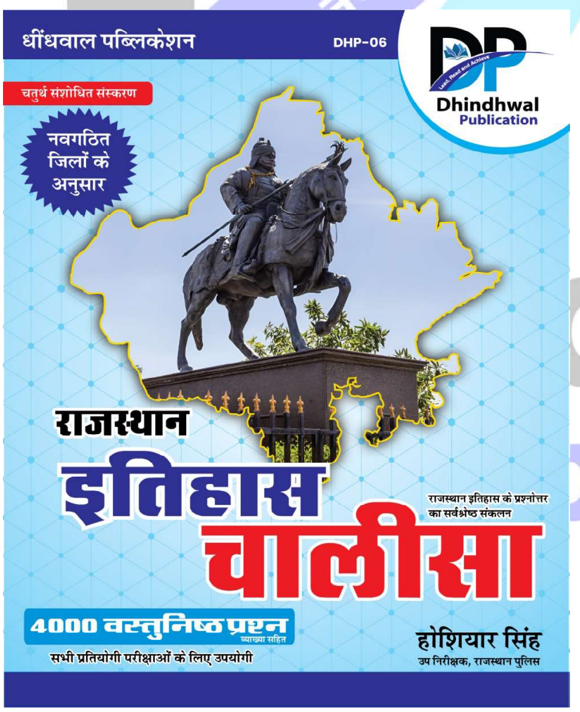

टेलीग्राम से जुड़ने के लिए

@DHINDHWAL2023GK

- Dhindhwal Publication
- धींधवाल पब्लिकेशन
- Dhindhwal Classes
- @Publication-DP
- Dhindhwal Publication

धींधवाल पब्लिकेशन की उपरोक्त पुस्तकें राजस्थान के सभी शहरों में प्रमुख बुक स्टोर पर उपलब्ध है। ऑनलाईन ऑर्डर कर घर बैठे मंगवाने के लिए मोबाईल नंबर 7725969600 (कानाराम जी) पर फोन या वाट्सअप मैसेज करें।